दिल्ली पब्लिक स्कूल, जम्मू
परीक्षा हेतु अभ्यासकार्य पत्र
सत्र 2019–2020

विषय–हिंदी कक्षा–आठवीं

प्र01 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़ते हुए पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

मनुष्य का जीवन संसार के छोटे – बड़े प्राणियों और पदाथों में श्रेष्ठ माना गया है । वह इसलिए कि मनुष्य बड़ा बुद्धिमान और कल्पनाशील प्राणी है । अपने विचारों के बल पर ही वह जो चाहे कर सकता है और बहुत ऊँचा उठ सकता है । परंतु विचार सच्चे , सादे और पवित्र होने के साथ – साथ मनुष्य के व्यावहारिक जीवन से संबंध रखने वाले होने चाहिए । इन्हीं बातों को आधार बनाकर ' सादा जीवन , उच्च विचार ' को मानव जीवन की सफलता की सीढ़ी माना गया है । सादगी मनुष्य के पहनावे से नहीं , बल्कि उसके प्रत्येक हाव – भाव , विचार तथा जीवन के ढ़ंग से टपकनी चाहिए । यही वास्तविक सादगी है , जो विचारों को भी उच्च बनाकर सब प्रकार की उन्नति और विकास का कारण बनती है । संसार का इतिहास इस बात का गवाह है कि आरंभ से ही सादगी पसंद व्यक्ति ही जनता को उच्च विचार देकर उन्नति और विकास की राह प्रशस्त करते आ रहे हैं । महात्मा गाँधी , संत कबीर ,गुरु नानक , महात्मा बुद्ध , डॉ• राधा कृष्णन आदि इस तथ्य के प्रत्यक्ष प्रमाण हैं ।

1. मनुष्य का जीवन श्रेष्ठ क्यों माना जाता है ?
2. उन्नति के लिए मनुष्य के विचार कैसे होने चाहिए ?
3. वास्तविक सादगी क्या है ?
4. इतिहास किस बात का साक्षी है ?
5. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए ।

प्र02. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़ते हुए पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–:

चिलचिलाती धूप को जो चाँदनी देते बना ।
काम पड़ने पर करें जो शेर का भी सामना ।।
जो कि हँस – हँस के चबा लेते हैं लोहे का चना ।
' है कठिन कुछ भी नहीं ' जिन के है जी में यह ठना ।।
कोस कितने भी चलें पर वे कभी थकते नहीं ।
कौन – सी है गाँठ जिसको खोल वे सकते नहीं ।।

1. ' है कठिन कुछ भी नहीं ' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए ।
2. कर्मवीर व्यक्ति हँसते – हँसते किसका सामना करते हैं ?

3. कर्मवीर व्यक्ति चिलचिलाती धूप को किसमें बदल देते हैं ?

4. उपर्युक्त काव्यांश का उचित शीर्षक लिखिए ।

5. किन लोगों के लिए कुछ भी कठिन नहीं है ?

प्र03. आशय स्पष्ट कीजिए ।

1. अभी न होगा मेरा अंत
   अभी– अभी ही तो आया है
   मेरे मन में मृदुल वसंत
2. लगता था , ज़िंदगी इसी बस में गुज़ारनी है और उस लोक को प्रयाण कर जाना है ।

प्र04. निम्नलिखित प्रश्नों के दीर्घ उत्तर लिखिए –

1. वसंत को ऋतुराज क्यों कहा जाता है ?
2. 'मशीनी युग ने कितने हाथ काट दिए ' इस पंक्ति में किस दर्द की ओर संकेत किया गया है ।
3. लेखक का बस पर से भरोसा क्यों उठ गया ?
4. लेखक को अपने ऊपर ग्लानि क्यों हो रही थी ?

प्र05. निम्नलिखित प्रश्नों के लघु उत्तर लिखिए –

1. बदलू कौन था ? वह क्या काम करता था ?
2. ' सविनय अवज्ञा ' का उपयोग व्यंग्यकार ने किस रूप में किया है ?
3. 'ध्वनि ' कविता हमें क्या संदेश देती है ?

प्र06. अगर आप बदलू की जगह होते तो आप क्या करते , अपने विचार 40 –50 शब्दों में लिखिए ।

प्र07. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए –

1. उन्नति , किनारा , गरमी , आभूषण	दो पर्यायवाची लिखिए
2. आस्तिक , स्वीकार , अपना , ऋण	विलोम लिखिए
3. आग में घी डालना , कानों कान ख़बर न होना	मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग करें
4. वसत , उगली , सघर्ष , मुह	अनुस्वार / अनुनासिक का प्रयोग करें
5. राक्षस , अंशुमाली , व्याकरण	वर्ण – विच्छेद करें
6. भ् + आ + र् + अ + त् + अ	वर्ण –मेल करें
7. मुलय , चाहिये	शुद्ध कीजिए

प्र08. निम्नलिखित प्रश्नों के लघु उत्तर लिखिए –

1. हलंत का प्रयोग करते हुए दो शब्द लिखिए ।
2. पंचम वर्णों के नाम लिखिए ।

प्र09. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

1. अल्पप्राण और महाप्राण में उदाहरण सहित अंतर स्पष्ट कीजिए ।

2. मात्रा किसे कहते हैं ? किन्हीं दो मात्राओं के उदाहरण लिखिए ।

प्र010. नीचे दिए गए विषय पर 80 – 90 शब्दों का अनुच्छेद लिखिए ।

समय – नियोजन

संकेत बिंदु –

- सबके लिए समय – समान
- समय– नियोजन का महत्त्व
- समय के पाबंध महापुरुष
- समय– नियोजन सफलता की कुंजी